आपकी खबरों का संसार...

अतुल्य संसार

संस्करणः जयपुर

हिन्दी समाचार पत्र...

RNI No.-RJHIN/2015/63826

web: www.atulyasansar.com

Digital Edition

www.liveworldnews.in

वर्षः 10 | अंकः 332 | जयपुर, शुक्रवार 12 जून, 2026 | मूल्यः 2 रुपए | पृष्ठः 4

अहमदाबाद प्लेन ... पेज 2

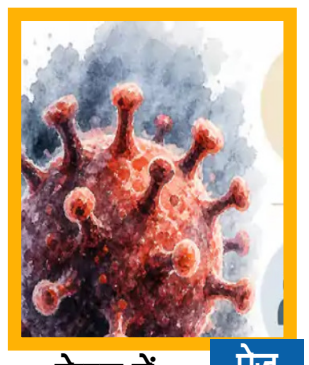

केरल में निपाह... पेज 3

राजस्थान की तीनों राज्यसभा सीटों पर निर्विरोध निर्वाचन

सतीश पूनिया, अलका गुर्जर और नीरज डांगी राज्यसभा सदस्य चुने गए

जयपुर। राजस्थान की तीन राज्यसभा सीटों के लिए चुनावी प्रक्रिया बिना किसी मुकाबले के संपन्न हो गई। भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार सतीश पूनिया और अलका गुर्जर तथा कांग्रेस प्रत्याशी नीरज डांगी निर्विरोध राज्यसभा सदस्य निर्वाचित घोषित किए गए हैं। तीन सीटों के लिए केवल तीन ही नामांकन मैदान में रहने के कारण मतदान की आवश्यकता नहीं पड़ी। गुरुवार को रिटर्निंग अधिकारी भारत भूषण शर्मा ने सभी उम्मीदवारों को निर्वाचित घोषित करते हुए जीत का प्रमाण पत्र सौंप दिया।

चुनावी संघर्ष देखने को नहीं मिला

राज्यसभा चुनाव को लेकर इस बार राजनीतिक दलों के बीच किसी प्रकार का चुनावी संघर्ष देखने को नहीं मिला। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने और जांच के बाद सभी नामांकन पत्र वैध पाए गए। चूंकि किसी अन्य उम्मीदवार ने चुनाव मैदान में दावेदारी पेश नहीं की, इसलिए निर्वाचन आयोग की निर्धारित प्रक्रिया के तहत तीनों उम्मीदवारों का निर्विरोध निर्वाचन सुनिश्चित हो गया। राजस्थान भाजपा ने

अपने हिस्से की दो सीटों के लिए पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक सतीश पूनिया और पार्टी की सक्रिय सदस्य अलका सिंह गुर्जर को उम्मीदवार बनाया था। दोनों नेताओं ने सोमवार को नामांकन दाखिल किया था।

कांग्रेस ने नीरज डांगी पर जताया था भरोसा

पार्टी नेतृत्व के इस निर्णय को राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। एक ओर सतीश पूनिया लंबे समय से संगठन और राजनीति में सक्रिय रहे हैं, वहीं अलका गुर्जर को सामाजिक प्रतिनिधित्व और महिला नेतृत्व के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण चेहरा माना जा रहा है। दूसरी ओर कांग्रेस ने अपने वर्तमान राज्यसभा सांसद नीरज डांगी पर एक बार फिर भरोसा जताया। डांगी ने 5 जून को नामांकन दाखिल किया था। पार्टी ने उनके अनुभव और संसदीय कार्यों को देखते हुए उन्हें लगातार दूसरी बार राज्यसभा भेजने का निर्णय लिया था। वहीं दूसरी तरफ मीडिया से बातचीत में सतीश पूनिया ने कहा कि मैंने राष्ट्रवाद की विचारधारा के साथ राजनीति की शुरुआत की थी। इसके बाद पार्टी की युवा शाखा के अध्यक्ष पद तक की जिम्मेदारी के साथ और बाद में संगठन की अनेक जिम्मेदारियों को निभाते हुए लंबा अनुभव हासिल किया। मुझे 2 बार विधायक के रूप में और एक बार उपनेता प्रतिपक्ष के रूप में काम करने का अवसर मिला। आज मुझे भाजपा ने उच्च सदन के सदस्य के नाते एक जिम्मेदारी दी है। मैं यह मानता हूं कि भारत की राजनीति में शरीक होना और जिम्मेदारी लेने बड़ी बात है। मैं इस जिम्मेदारी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित सभी का आभार व्यक्त करता हूं।

नहीं होगा प्रस्तावित मतदान

अब 18 जून को प्रस्तावित मतदान नहीं होगा, क्योंकि निर्वाचन प्रक्रिया निर्विरोध निर्वाचन के साथ ही पूरी हो चुकी है। तीनों नवनिर्वाचित सदस्य जल्द ही राज्यसभा में अपना कार्यकाल शुरू करेंगे। राजस्थान में यह चुनाव उन सीटों के लिए कराया गया था, जिनका कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है। इनमें केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, भाजपा सांसद राजेंद्र सिंह गहलोत और कांग्रेस सांसद नीरज डांगी की सीटें शामिल हैं। बता दें कि टोंक जिले के मालपुरा में 21 फरवरी 1961 को जन्मीं अलका गुर्जर ने एमए, एलएलएम और पीएचडी जैसी उच्च शैक्षणिक योग्यताएं हासिल की हैं। वहीं चूरू जिले की सादुलपुर तहसील में 20 सितम्बर 1964 को जन्मे सतीश पूनिया छात्र राजनीति से राष्ट्रीय राजनीति तक अपनी पहचान बना चुके हैं। उन्होंने राजस्थान विश्वविद्यालय से भूगोल विषय में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है और लंबे समय तक अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े रहे हैं। कांग्रेस नेता नीरज डांगी का संबंध भी एक राजनीतिक परिवार से है। 4 नवंबर 1970 को जयपुर में जन्मे डांगी के पिता स्वर्गीय दिनेश राय डांगी राजस्थान सरकार में राज्य मंत्री रह चुके थे।

रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव की बड़ी घोषणा

30 दिन के अंदर आईआरसीटीसी की नई वेबसाइट लॉन्च करने के दिए निर्देश

जयपुर। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जयपुर के मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में छात्रों से संवाद के दौरान एक बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे की टिकट बुकिंग प्रणाली को और बेहतर बनाने के लिए 15 जुलाई तक आईआरसीटीसी की नई वेबसाइट लॉन्च की जाएगी। यह घोषणा उस समय हुई जब एक छात्रा ने उनसे सीधे शिकायत की कि ऑनलाइन टिकट बुकिंग के दौरान आईआरसीटीसी की वेबसाइट अक्सर हैंग हो जाती है और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। छात्रा की शिकायत सुनने के बाद मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आइआरसीटी के डायरेक्टर को कॉल किया और नई वेबसाइट बनाने के तुरंत आदेश दिए। नई वेबसाइट को अधिक सक्षम तथा आधुनिक बनाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि रेलवे लगातार डिजिटल सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में काम कर रहा है और यात्रियों को सहज व तेज सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। संवाद कार्यक्रम के दौरान उन्होंने छात्रों के साथ सेल्फी भी ली और उनके सवालों के जवाब दिए।

छात्रों को कोच डिजाइन के बारे में दी जानकारी

आईआरसीटीसी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अश्विनी वैष्णव ने वंदे भारत ट्रेन का वीडियो मोबाइल फोन से टीवी स्क्रीन पर दिखाया और छात्रों को ट्रेन की अत्याधुनिक सुविधाओं तथा कोच डिजाइन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने रेलवे में हो रहे तकनीकी बदलावों और डिजिटल इनोवेशन पर भी चर्चा की।

फॉल्स नरेटिव गढ़ने का षड्यंत्र देश और विकास के एजेंडे को करता है बाधित : केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत

जयपुर। जोधपुर के नए एयरपोर्ट टर्मिनल को लेकर चलाए जा रहे निगेटिव कैंपेन पर बरसे केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री कहा- ऐसे दुष्प्रचार से सोशल मीडिया की क्रेडिबिलिटी होती है तार-तार, मेन स्ट्रीम मीडिया ऐसे लोगों को करे बेनकाब जोधपुर। एक डिजिटल मार्केटिंग कंपनी द्वारा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के माध्यम से जोधपुर के नए एयरपोर्ट टर्मिनल को लेकर सोशल मीडिया पर निगेटिव कैंपेन (नकारात्मक अभियान) चलाने की तैयारी पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि इस तरह के फॉल्स नरेटिव (झूठा नैरेटिव) गढ़ने का षड्यंत्र देश और विकास, दोनों ही एजेंडों को बुरी तरह बाधित करता है। गुरुवार को जोधपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से अनौपचारिक बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री ने इस पूरे मामले पर अपना कड़ा रुख साझा किया।

सोशल मीडिया की क्रेडिबिलिटी पर उठ रहे सवाल

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि इस तरह के सुनियोजित दुष्प्रचार से सोशल मीडिया की विश्वसनीयता (क्रेडिबिलिटी) तार-तार होती है। उन्होंने मुख्यधारा के मीडिया की जिम्मेदारी तय करते हुए कहा ऐसी भ्रामक चीजों का पुरजोर खंडन होना चाहिए और यह पूरा विषय जनता के संज्ञान में भी लाया जाना चाहिए। ऐसे षड्यंत्रकारी लोग बेनकाब हों और देश-दुनिया के सामने इनका सच ठीक से प्रदर्शित हो, यह हम सब की सामूहिक जिम्मेदारी है।

अशोक गहलोत का बड़ा बयान : 'जो बोला उसपर जवाब देने के लिए तैयार, किसी पर आरोप नहीं लगाया'

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बार फिर बड़ा बयान दिया है, हाल में सचिन पायलट और 25 सितंबर 2022 की घटना पर दिए बयानों पर अपना पक्ष रखा है, उन्होंने कहा कि मैंने जो कहा दिल से कहा है, मैंने किसी पर आरोप नहीं लगाया

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बार फिर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने सचिन पायलट को लेकर दिए अपने बयानों पर कहा कि मैंने जो कुछ भी कहा, वह पूरी ईमानदारी और दिल से कहा है मेरा किसी पर आरोप लगाने का इरादा नहीं था। गहलोत ने कहा कि उन्होंने केवल वे घटनाएं देश के सामने रखीं, जिनसे यह धारणा बन रही थी कि उन्होंने मुख्यमंत्री बने रहने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष पद स्वीकार नहीं किया। गहलोत ने यह भी कहा कि यदि उनके बयानों में कोई तथ्यात्मक गलती है तो सामने आकर बातचीत की जा सकती है। गहलोत ने कहा कि मैं सभी सवालों का जवाब देने के लिए तैयार हूं।

गहलोते बोले- लोगों में थी गलत धारणा

गहलोत ने कहा कि वे केवल उन घटनाओं को देश के सामने रखना चाहते थे, जिनके कारण एक खास तरह की राजनीतिक धारणा बन रही थी। उनके अनुसार यह माहौल बनाया जा रहा था कि उन्होंने मुख्यमंत्री बने रहने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष का पद स्वीकार नहीं किया। गहलोत ने कहा कि उन्होंने केवल तथ्य सामने रखे हैं और यदि किसी को लगता है कि उनमें कोई गलती है, तो वे उनसे सीधे बात कर सकते हैं, वे उसका जवाब देने के लिए तैयार हैं।

किसी पर व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं की

अपने बयान में गहलोत ने यह भी कहा कि राजनीतिक परिस्थितियों और घटनाओं को समझे बिना उनके शब्दों को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उन्होंने कोई व्यक्तिगत टिप्पणी या आरोप नहीं लगाया, बल्कि केवल राजनीतिक घटनाक्रम को सामने रखा है।

देश के सामने रखनी थी सच्चाई

अशोक गहलोत ने कहा कि उनका उद्देश्य देश के सामने सच्चाई और तथ्यों को रखना था, ताकि राजनीतिक माहौल को लेकर जो भ्रम की स्थिति बनी हुई है, वह दूर हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि आज के समय में लोकतंत्र और राजनीतिक व्यवस्था को लेकर कई तरह की बहस चल रही है, ऐसे में तथ्यों को सामने रखना जरूरी है।

सचिन पायलट के बेटे वाले बयान पर भी बोले

हाल ही में सचिन पायलट ने कहा था कि अशोक गहलोत उन्हें अपने बेटे की तरह मानते हैं। इसपर उन्होंने कहा कि वे ठीक कह रहे हैं। बचपन से घर आना-जाना रहा है। सब लोग साथ रहे हैं।

स्वर्णनगरी पर सूरज की किरणों ने बोला हमला, 13 दिन बाद पारा 46 डिग्री पर पहुंचा

स्वर्णनगरी जैसलमेर में गुरुवार को भीषण गर्मी और लू ने जनजीवन को बेहाल कर दिया। अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस पहुंचने के साथ जैसलमेर राजस्थान का सबसे गर्म शहर रहा, जबकि एक दिन में पारा 3 डिग्री उछल गया। तेज धूप, गर्म हवाओं और बढ़ी हुई आर्द्रता के कारण चिपचिपी गर्मी ने लोगों को घरों में रहने पर मजबूर कर दिया।

जैसलमेर। स्वर्णनगरी पर सूरज की किरणों ने एक बार फिर हमला बोला है। भीषण गर्मी और लू का प्रभाव लगातार तेज होता जा रहा है। गुरुवार को जैसलमेर में भीषण गर्मी ने लोगों की हालत खराब कर दी। दिन में 18 से 20 किमी रफ्तार से दक्षिणी हवाएं चली और अधिकतम तापमान 46 डिग्री के उच्च स्तर पर पहुंच गया। ऐसे में लू ने घरों से बाहर निकले लोगों की कड़ी परीक्षा ली और उन्हें झुलसाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। राजस्थान में गुरुवार को जैसलमेर का अधिकतम तापमान सर्वाधिक रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को अधिकतम तापमान 46.0 और न्यूनतम 28.7 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। यह एक दिन पहले बुधवार को क्रमशः 43.0 तथा 27.6 डिग्री दर्ज किया गया था। इस तरह से एक दिन में पारा 3 डिग्री ज्यादा हो गया। इससे पहले गत 28 मई को जैसलमेर में अधिकतम तापमान 46.0 डिग्री दर्ज किया गया था। कड़ी धूप व लू के साथ आर्द्रता का स्तर अच्छा खासा होने से वातावरण में चिपचिपी गर्मी महसूस की गई। दिन के समय तेज धूप और गर्म हवाओं ने जनजीवन को प्रभावित किया। दोपहर के समय सडकें लगभग खाली नजर आईं और सामान्य गतिविधियों में कमी देखी गई। स्थानीय लोग घरों में रहने को मजबूर रहे। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार आगामी दिनों में तापमान सामान्य से अधिक बना रहने की संभावना है, जिससे लू का असर और तेज हो सकता है।

पोकरण: क्षेत्र में भीषण गर्मी व लू का सितम लगातार बढ़ता जा रहा है। हालांकि गुरुवार को दिनभर तेज आंधी चली, लेकिन तापमान में हुई बढ़ोतरी और लू के थपेड़ों से जनजीवन को झकझोर कर रख दिया। गुरुवार को सुबह से ही तेज हवा चल रही थी। सुबह 8 बजे बाद सूर्य की किरणें तेज होने लगी। इसी तरह 11 बजे बाद भीषण गर्मी के साथ लू के थपेड़े चलने लगे। दोपहर में तेज हवा के साथ आंधी चलने लगी, लेकिन तापमान 44 से 45 डिग्री तक पहुंच जाने से आमजन का बेहाल हुआ। देर शाम तक भी भीषण गर्मी का दौर जारी रहा, जिससे जनीजवन प्रभावित हुआ।

दिल्ली घटना के बाद जैसलमेर में अग्नि सुरक्षा जांच अभियान, कई भवनों को नोटिस

जैसलमेर। राजधानी दिल्ली में हाल ही हुई भीषण अग्निकांड की घटना के बाद नगरपरिषद जैसलमेर क्षेत्र में अग्नि सुरक्षा जांच अभियान तेज किया गया है। अभियान के तहत संचालित होटलों एवं अन्य व्यावसायिक भवनों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं की विशेष जांच की गई। निरीक्षण के दौरान कई भवनों में अग्निशमन सुरक्षा मानकों की कमी पाई गई, जिसके बाद संबंधित संचालकों को नोटिस जारी किए गए। अग्निशमन विभाग की टीम ने भवनों में अग्निशमन यंत्रों, आपातकालीन निकास मार्गों, विद्युत सुरक्षा व्यवस्थाओं एवं अन्य आवश्यक अग्नि सुरक्षा प्रबंधों का निरीक्षण किया। जहां नियमों की अवहेलना पाई गई, वहां भवन संचालकों को निर्धारित समयावधि में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

पीएम नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक

सीएम भजनलाल शर्मा ने साझा किया विकसित राजस्थान-2047 का रोडमैप

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित नीति आयोग की शासी परिषद् की 11वीं बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान के विकास के विजन, उपलब्धियों एवं भावी कार्ययोजना को प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भरता, सुशासन, नवाचार और समावेशी विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है तथा राजस्थान विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की मंशा अनुरूप राज्य सरकार गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति को राज्य सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों के केंद्र में रखकर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री के युवाओं की शक्ति के उपयोग के मंत्र को आत्मसात करते हुए राज्य सरकार प्रदेश की 63 प्रतिशत युवा आबादी को विकास का प्रमुख आधार बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। निवेश एवं औद्योगिक विकास को नई गति मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा मिला है तथा व्यापारिक माहौल को सरल एवं निवेश अनुकूल बनाने के लिए अनेक सुधार किए गए हैं। इसी दिशा में राज्य सरकार ने निवेश प्रोत्साहन के लिए 35 से अधिक नई नीतियां लागू की हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 35 लाख करोड रुपये के निवेश संबंधी एमओयू हस्ताक्षरित हुए हैं, जिनमें से 9 लाख करोड रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है। साथ ही, प्रदेश को 9 एमएमटीपीए क्षमता की आधुनिक रिफाइनरी की सौगात मिली है, जो राजस्थान के औद्योगिक विकास में मील का पत्थर साबित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2029 तक राजस्थान को 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

अहमदाबाद प्लेन हादसे का एक साल...

प्लेन में बैठने से डरते हैं मरने वालों के परिवार

अहमदाबाद। अहमदाबाद में एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 दुर्घटना को एक साल पूरा हो गया है, लेकिन हादसे की भयावह यादें आज भी लोगों के जेहन में ताजा हैं। 12 जून 2025 को लंदन जाने वाली एआई-171 फ्लाइट मेघानीनगर में बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल से टकराकर क्रैश हो गई, जिसमें विमान में सवार 241 लोगों और जमीन पर मौजूद 19 लोगों की मौत हो गई। सिर्फ एक यात्री जिंदा बचा था। हादसे के एक साल बाद भी बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल परिसर में उस त्रासदी के निशान पूरी तरह मिट नहीं पाए हैं। जहां विमान का मलबा गिरा था, लोगों के शव मिले थे, वहां आज भी खून के धब्बे दिखाई देते हैं। इधर हादसे में मरने वालों के परिवार आज भी सदमें में हैं। कुछ लोग अभी भी उड़ान भरने से डरते हैं, जबकि कुछ लोग इस गहरे सदमे से उबरने के लिए काउंसलिंग ले रहे हैं। अहमदाबाद में 12 जून 2025 को एअर इंडिया का एआई 17 प्लेन क्रैश हुआ था। यह फ्लाइट अहमदाबाद से लंदन जा रही थी लेकिन टेक-ऑफ के तुरंत बाद क्रैश हो गई थी। इस हादसे में 260 लोगों की मौत हुई थी। अहमदाबाद में 12 जून 2025 को एअर इंडिया का एआई 17 प्लेन क्रैश हुआ था। यह फ्लाइट अहमदाबाद से लंदन जा रही थी लेकिन टेक-ऑफ के तुरंत बाद क्रैश हो गई थी। इस हादसे में 260 लोगों की मौत हुई थी।

प्लेन हादसे के पीड़ित परिवारों ने कहा- डिप्रेशन से जूझ रहे, हवाई यात्रा नहीं करते

बेटा खोया, प्लेन की आवाज से भी डरते हैं रफीक: दीव के रहने वाले रफीक अरब ने पिछले साल 12 जून को अपने 25 साल के बेटे फैजान को खोने के बाद से कभी हवाई यात्रा नहीं की है। वे अब भी गहरे डर के साथ जी रहे हैं। रफीक बताते हैं- ऊपर से गुजरते विमान की आवाज भी हमें बेचैन कर देती है।

माता-पिता की मौत के बाद नौकरी छोड़ी, मुक्ति ने महीनों काउंसिलिंग करवाई: सूरत की रहने वाली मुक्ति वंसदिया के माता-पिता दिव्या और अर्जुनसिंह हादसे में मारे गए थे। हादसे के बाद मुक्ति डिप्रेशन से जूझने लगीं। उन्होंने ट्रैवल एजेंसी की अपनी नौकरी छोड़ दी और महीनों तक काउंसलिंग लीं।

माली का काम छूटा, पत्नी छोड़ गई, हादसे के चश्मदीद थे अजय परमार: घर से लौटते समय हादसे की चपेट में आए अजय का 2 महीने इलाज चला था। डॉक्टरों ने सीधी धूप में काम करने से मना किया। रंग-रूप बदलने और काम छूटने के कारण शादी के एक महीने बाद ही उनकी पत्नी भी छोड़कर चली गई।

पास की झोपड़ी में रहने वाले जेनाभाई बोले- तीन धमाके हुए: जेनाभाई हादसे वाले जगह के पास झोपड़ी में रहते है। उन्होंने बताया कि घटना वाले दिन मेरी छुट्टी थी। वहां तीन धमाके हुए, पहला धमाका बम जैसा लगा। मैं भागा तो सामने पेड़ में आग लग गई। दूसरे धमाके में मैं भी गिर गया। छाती में चोट लग गई। मैं उठा और भागा। मुझे दो महीने बाद मुझे अपनी झोपड़ी में वापस जाने दिया।

एयर इंडिया ने 96% पीड़ित परिवारों को मुआवजा दिया

एयर इंडिया ने गुरुवार को कहा कि उसने अहमदाबाद में 12 जून 2025 को हुए विमान हादसे से प्रभावित 96% परिवारों को 25-25 लाख रुपए का अंतरिम मुआवजा दे दिया है। जिनके डॉक्यूमेंटेशन अधूरे हैं या जहाँ परिवार में झगड़े चल रहे हैं, उन परिवारों को ही मुआवजा नहीं मिला है।साथ ही जमीन पर घायल हुए 94% लोगों को या तो एक बार में पूरा मुआवजा मिला है। बाकी लोगों ने हेल्पडेस्क से फॉर्म ले लिए थे, लेकिन अभी तक उन्हें जमा नहीं किया है। टाटा संस ने एआई 171 हादसे से प्रभावित लोगों की मदद करने के लिए एआई 171 मेमोरियल और वेलफ़ेयर ट्रस्ट बनाया है। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने सभी मरने वालों के परिवारों के लिए 1 करोड़ की मदद की घोषणा की थी। 91% परिवारों को पूरे 1 करोड़ दिए जा चुके हैं।

फोरेंसिक साइंटिस्ट एचपी संघवी- कटे हुए हाथ को भुला नहीं पा रहा

गुजरात डायरेक्टरेट ऑफ फोरेंसिक साइंसेज के डायरेक्टर संघवी और उनकी 38 सदस्यों की टीम की जिम्मेदारी थी कि वे मारे गए लोगों की पहचान करने के लिए बायोलॉजिकल सैंपल की बारीकी से जांच करें और राख से निकाले गए टूटे-फूटे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की जांच करके उनसे जो भी जानकारी मिल सके, उसे हासिल करें। संघवी के लिए, कटे हुए हाथ की वह तस्वीर ऐसी है जिसे वे भुला नहीं पा रहे हैं। संघवी ने बताया कि ऐसा लग रहा था जैसे वह मदद की गुहार लगा रही हो। एक साल बाद भी, हम उसके आखिरी पलों के खौफ की सिर्फ कल्पना ही कर सकते हैं। पहला सैंपल आधी रात के बाद आया और हमारी टीमों ने पहले 100 घंटों में ही 100 डीएनए प्रोफाइल तैयार कर लिए। शाही ने बताया कि शुरू में मुझे पता नहीं चला कि यह प्लेन क्रैश है, लेकिन पहली एम्बुलेंस 3 मिनट के अंदर ही मौके पर पहुंच गई थी। क्रैश के बाद वहां का तापमान 1,000डिग्री से ज्यादा था। लाशें निकालते वक्त कई बार हमारे जूते तक पिघल गए। 35 एम्बुलेंस ने कई चक्कर लगाए। लगभग 90 कर्मचारी बचाव कार्य में लगे रहे।

जिस हॉस्टल पर विमान गिरा था, वहां के हाल

जिस हॉस्टल पर विमान गिरा उसके पीछे 10 से अधिक दोपहिया और चारपहिया वाहन मिले हैं। ये वाहन उस समय हॉस्टल में मौजूद छात्रों के थे। ये वाहन जलकर राख हो चुके हैं और जंग लगने से इनका रंग भी बदल गया है। आग लगने से इन सभी वाहनों के टायर जल चुके हैं। वाहनों के केवल स्टील के पहिये ही बचे हैं। किसी भी वाहन में इंजन या बैटरी दिखाई नहीं दे रही थी। बुलेट, कार, बाइक, साइकिल सहित 10 से अधिक वाहन संभवत: उसी हालत में हॉस्टल में थे, जिस हालत में उन्हें 12 जून को दोपहर 1:40 बजे से पहले छोड़ा गया था। कई छात्र दोपहर के भोजन के लिए मेस में आते थे। मेस दो मंजिला था, जिसमें ज्यादातर छात्र दोपहर के भोजन के लिए पहली मंजिल पर आते थे। विमान का पिछला हिस्सा मेस के पिछले हिस्से से टकराया था।दुर्घटना के दो दिन बाद विमान के पिछले हिस्से में एयर होस्टेस का शव मिला था। मेघानीनगर एफएसएल चौराहे से घोड़ा कैंप की ओर जाने वाली सड़क से गुजरने वाला हर व्यक्ति हादसे वाली जगह आज भी अपनी गाड़ी की गति धीमी कर देता है। कुछ लोग वीडियो बनाने के लिए रुक जाते हैं, जबकि कुछ लोग खड़े होकर चर्चा करते हैं। कुछ लोग मृतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए हर महीने यहां आते हैं।

गुजरात डीजीपी ज्ञानेंद्र सिंह मलिक- करियर का सबसे दर्दनाक अध्याय

ज्ञानेंद्र बताते हैं कि यह उनके करियर का सबसे दर्दनाक अध्याय है। उनके जेहन में मलबे से निकाली गई जली हुई लाशों की डरावनी तस्वीरें अभी भी बसी हुई हैं। मलिक ने बताया कि उन्होंने 30 मिनट के भीतर 500 से ज्यादा पुलिसकर्मियों को हादसे वाली जगह पर भेज दिया था। मलिक उस समय अहमदाबाद के कमिश्नर थे। वे हादसे के 15-20 मिनट के अंदर घटनास्थल पर पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि जमीन पर जले हुए शवों को देखना बहुत दर्दनाक था। डीएनए मैचिंग के बाद सौंपे गए शवों में से पहला शव दुर्घटना के 50 घंटे से भी कम समय में, 14 जून को दोपहर 3:19 बजे सभी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद सौंपा गया।

एसडीआरएफ केएएसपी शीतल गुजर बोले- गीले कंबल और साड़ियों को रस्सी की तरह इस्तेमाल किया

गुजर ने बताया कि क्रैश साइट पर गर्मी इतनी ज्यादा थी कि यूनिफॉर्म बार-बार बदलने पड़े। कम्युनिकेशन उपकरण खराब हो गए। हमने साड़ियों और गीले कंबल का इस्तेमाल कामचलाऊ रस्सियों और स्ट्रेचर के तौर पर किया। हवा में जलते हुए मांस, केमिकल और पिघली हुई धातु की गंध फैली हुई थी।

अमेरिका का भारतीय क्रू वाले तीसरे जहाज पर अटैक: अब तक 3 मौतें

भारत ने अमेरिकी राजदूत को फटकारा, कहा- तुरंत हमले बंद करें

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। ओमान के पास भारतीय नाविकों वाले जहाजों पर अमेरिकी हमलों को लेकर भारत ने कड़ा विरोध दर्ज किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिकी नौसेना ने भारतीय क्रू वाले तीसरे जहाज एमटी जलवीर पर भी हमला किया है। इस पर सवार सभी 20 भारतीय सुरक्षित हैं और उन्हें निकालने का काम जारी है। इससे पहले एमडी सेटेबेलो और एमटी मैरीवेक्स पर भी हमले हो चुके हैं। इन घटनाओं में अब तक 3 भारतीय नाविकों की मौत हो चुकी है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि तीनों जहाजों पर अमेरिकी नौसेना ने हमला किया है। भारत ने इस मामले पर अमेरिकी राजदूत को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया और कहा कि जहाजों पर हो रहे हमले तुरंत बंद होने चाहिए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने भी तीनों जहाज पर हमले की बात मानी है। सरकार ने बताया कि खाड़ी क्षेत्र में इस समय 13 भारतीय झंडे वाले जहाज और 18 हजार से ज्यादा भारतीय नाविक मौजूद हैं। इनमें

562 नाविक भारतीय जहाजों पर तैनात हैं।

रूस ने अमेरिका और ईरान से संयम बरतने की अपील की

रूस ने अमेरिका और ईरान से हमले रोककर फिर से बातचीत शुरू करने की अपील की है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि सभी पक्ष संयम बरतें और बातचीत की मेज पर लौटें। उनका कहना है कि तनाव बढ़ने से किसी का फायदा नहीं होगा। पेसकोव ने चेतावनी दी कि अगर हालात और बिगड़े तो इसका असर सिर्फ मिडिल ईस्ट ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। रूस ने कहा कि मौजूदा संकट का समाधान सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि बातचीत और कूटनीति के जरिए ही निकाला जा सकता है।

पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स

1. **जॉर्डन बोला- 5 ईरानी मिसाइलें हवा में मार गिराईं:** जॉर्डन की सेना ने दावा किया कि ईरान से दागी गई 5 मिसाइलों को इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया गया। किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है।
2. **ईरान का दावा- अमेरिकी एमटी-9 रीपर ड्रोन मार गिराया:** तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक दक्षिणी ईरान के जाम इलाके में अमेरिकी एमक्यू-9 ड्रोन को गिराया गया। अमेरिका की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई।
3. **होर्मुज के पास टैंकर पर अमेरिकी हमला:** ओमान तट के पास एक ऑयल टैंकर पर अमेरिकी हमले के बाद आग लग गई। जहाज पर 24 भारतीय समेत 28 क्रू मेंबर सवार थे। एक व्यक्ति की मौत हुई, जबकि कुछ क्रू मेंबर लापता बताए गए।
4. **रूस ने अमेरिका-ईरान से हमले रोकने की अपील की:** मॉस्को ने दोनों देशों से संयम बरतने और सैन्य कार्रवाई बंद कर कूटनीति का रास्ता अपनाने को कहा।
5. **कतर का प्रतिनिधिमंडल तेहरान पहुंचा:** कतर ने क्षेत्रीय तनाव कम करने और अमेरिका-ईरान टकराव पर बातचीत के लिए अपना प्रतिनिधिमंडल ईरान भेजा है।

भारत ने अमेरिका के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया

भारत ने ओमान तट के पास तेल टैंकर सेतेबेल्लो पर हुए हमले को लेकर अमेरिका के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया है। भारत सरकार ने अमेरिकी दूतावास के प्रभारी अधिकारी जेसन मीक्स को विदेश मंत्रालय बुलाकर अपनी चिंता जताई और कहा कि भारतीय नाविकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि हमले के बाद भारत ने अमेरिकी पक्ष से औपचारिक विरोध दर्ज कराया। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में बड़ी संख्या में भारतीय नाविक काम करते हैं, खासकर फारस की खाड़ी और पश्चिम एशिया में। ऐसे में उनकी सुरक्षा भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। जायसवाल ने कहा कि भारत ने अमेरिका को साफ मैसेज दिया है कि समुद्री कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए और जहाजों पर हो रहे हमले तुरंत बंद होने चाहिए।

मानसून बिहार पहुंचा, 8 दिन में 17 राज्य कवर

2-3 दिन में झारखंड-छत्तीसगढ़ पहुंचेगा; यूपी-बिहार में आंधी और बिजली गिरने से 9 की मौत

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना। मानसून ने गुरुवार को बिहार में एंट्री कर ली है। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में भी यह आगे बढ़ गया है। 4 जून को केरलम में एंट्री के बाद से मानसून 8 दिन में 17 राज्यों तक पहुंच चुका है। अगले 2-3 दिनों इसके में उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा पहुंचने की संभावना है। बिहार के 11 जिलों में आज सुबह से आंधी-बारिश हो रही है। खगड़िया में बिजली गिरने से 5 लोगों की मौत हो गई और 4 लोग झुलस गए हैं। पटना, बक्सर, सुपौल समेत 5 जिलों में घने बादलों से अंधेरा छा गया। लोगों को गाड़ियों की लाइट जलाकर चलना पड़ा। यूपी में आंधी से एक पेट्रोल पंप की छत उड़ गई। चित्रकूट में 4.5 करोड़ रुपए के ऑडिटोरियम की छत भी उड़ गई। बरेली, इटावा, सीतापुर और फिरोजाबाद में आंधी-तूफान से 4 लोगों की मौत हुई। पंजाब के मानसा में तेज आंधी के दौरान लोहे का गेट गिरने से 9 साल के बच्चे की मौत हो गई। इधर, गुजरात को छोड़कर बाकी सभी राज्यों में प्री-मानसून का असर है। दिल्ली में खराब मौसम के चलते 2 फ्लाइट जयपुर डायवर्ट करनी पड़ीं। राजस्थान के कई इलाकों में आंधी के साथ बारिश हुई। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब, दिल्ली और पश्चिम बंगाल में भी बरसात हुई।

पुलिस ने जहांगीर खान की हाफ पैंट में परेड कराई

जांच के लिए फालता लेकर आई थी; दुर्गापुर में टीएमसी नेता पर अंडे फेंके, भीड़ ने घेरा

कोलकाता। बंगाल के फलता में गुरुवार को टीएमसी नेता जहांगीर खान की पुलिस ने हाफ पैंट (निक्कर) में परेड कराई। जांच के सिलसिले में पुलिस उन्हें फलता लेकर गई थी। 8 जून को अवैध वसूली के आरोप में उन्हें नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार किया था। वहीं, दुर्गापुर में एक और टीएमसी नेता सुकुमार दत्ता को भ्रष्टाचार और जबरन वसूली समेत कई आरोपों में गिरफ्तार किया गया। जब पुलिस उन्हें थाने से अदालत ले जा रही थी, तब भीड़ ने उन पर अंडे फेंके। टीएमसी नेता पर जमीन कब्जाने, रंगदारी वसूलने और स्थानीय लोगों को डराने-धमकाने का भी आरोप है। थाने के बाहर प्रदर्शनकारियों ने दत्ता के खिलाफ नारेबाजी की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रदर्शन में भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद थे। घटना पर भाजपा नेता स्वाधीन राय ने कहा कि अंडा फेंकने का काम भाजपा ने तय करके नहीं किया था। यह तृणमूल नेता के खिलाफ आम जनता के गुस्से का नतीजा था। दत्ता लंबे समय से लोगों को डरा-धमका रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि स्थानीय लोग सालों से उत्पीड़न और शोषण झेल रहे थे, जिससे दत्ता के खिलाफ गुस्सा था। दत्ता के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही टीएमसी के अन्य स्थानीय नेताओं की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए।

कल्याण बनर्जी का अल्टीमेटम- ममता मुझे चुनें या अभिषेक को

टीएमसी के तीसरे राज्यसभा सांसद का इस्तीफा: दावा- 20 लोकसभा सांसद अलग गुट बना चुके

कोलकाता/नई दिल्ली। ममता बनर्जी की मुश्किलें कम होते नहीं दिख रही हैं। विधायक और सांसद लगातार उनका साथ छोड़ रहे हैं। इस बीच, उनके सबसे करीबी सांसद कल्याण बनर्जी की भी गुरुवार को नाराजगी सामने आई। उन्होंने कहा कि ममता दीदी को तय करना होगा कि वे मेरे साथ हैं या अभिषेक बनर्जी के साथ। अभिषेक को सीनियर नेताओं का सम्मान करना नहीं आता। वह बहुत अहंकारी हैं। इसी वजह से पार्टी बर्बाद हुई है। उन्होंने कहा, अगर ममता दीदी को अभिषेक बनर्जी पर ही निर्भर रहना है, तो उनके साथ रहें और मुझे छोड़ द। अगर उनसे अलग रास्ता चुनती हैं, तो मैं ममता दीदी के साथ हूं। कल्याण की नाराजगी की वजह टीएमसी का फर्जी साइन केस है। उन्होंने बताया, 'मुझे आधी रात को बताया गया कि इस केस से जुड़े वकील बदल दिए गए हैं। इनमें मैं भी था। यह अपमानजनक है।' इधर, टीएमसी के राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बडाईक ने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। पिछले चार दिनों में 13 में से तीन राज्यसभा सांसद ममता को छोड़कर जा चुके हैं। 10 जून को सुष्मिता देव ने रिजाइन किया था। 8 जून को सुखेंदु शेखर ने राज्यसभा सदस्यता और पार्टी छोड़ी थी। इससे पहले

टीएमसी की बागी सांसद काकोली घोष ने दावा किया था कि 20 लोकसभा सांसद अलग गुट बना चुके हैं। वहीं, बंगाल के 80 में से 58 टीएमसी विधायक अलग गुट बना चुके हैं।

2 सांसद शत्रुघ्न सिन्हा और प्रतिमा मंडल ने कहा- हम टीएमसी के साथ

टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा- ममता बनर्जी एक स्ट्रीट फाइटर हैं। पार्टी में संकट के बावजूद उनके साथ अब भी 41त्न वोट शेयर है। हालांकि इससे पहले उन्होंने ङ्क पर लिखा था कि पीएम मोदी देश और समाज के मार्गदर्शक हैं।

मैं आपके लंबे, स्वस्थ और समृद्ध जीवन की कामना करता हूं। सांसद सौगत रॉय ने कहा- कांग्रेस और टीएमसी का साथ काम करना जरूरी है। इतना मैं कह सकता हूं। विलय होगा या गठबंधन, यह आगे देखा जाएगा। टीएमसी के बागी नेता रिजु दत्ता- युवराज का अब चक्की पीसने का समय आ गया है। वह ऐसा व्यक्ति है जो काउंसलर बनने के भी लायक नहीं था, लेकिन ममता बनर्जी ने धृतराष्ट्र की तरह आंखें बंद कर उसे राजनीति में स्थापित कर दिया।

इस्तीफे के बाद प्रकाश चिक बोले- मैं बूढ़ा नहीं हुआ, आगे समय बताएगा

इस्तीफे के बाद मीडिया से बात करते हुए प्रकाश चिक ने कहा- पश्चिम बंगाल में लोगों का फैसला भाजपा के पक्ष में था। पार्टी ने वहां सरकार बनाई। मेरे अपने चुनाव क्षेत्र में हम एक भी सीट नहीं जीत पाए। उत्तर बंगाल में भी नतीजे अच्छे नहीं रहे। इस जनादेश को देखते हुए मुझे लगा कि अब मेरे पद पर बने रहना ठीक नहीं है। इसलिए, मैंने अपने पद और पार्टी दोनों से इस्तीफा दे दिया। आगे इंतजार कीजिए, समय के साथ सब सामने आएगा। मैं अभी बूढ़ा नहीं हूं। भविष्य में मैं क्या करूंगा, यह समय ही तय करेगा।

अभिषेक ने सालों तक पार्टी के सांसदों, विधायकों और नेताओं का अपमान किया। मेरे जैसे प्रवक्ताओं को गुलाम समझा गया। एक अकेले व्यक्ति ने पार्टी को बर्बाद कर दिया। कल्याण बनर्जी के बेटे शिरसान्य बंदोपाध्याय- समस्या यह है कि अभिषेक बनर्जी किसी पर भरोसा नहीं कर सकते। वह हम पर भी भरोसा नहीं कर पा रहे हैं। वह एक दूसरी लाइन तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं। हमने हाईकोर्ट, जिला कोर्ट, सब-डिविजनल कोर्ट, जहां भी मुमकिन हो उनकी मदद करने की कोशिश की है।

कांग्रेस ने टीएमसी के साथ विलय की अटकलों को अफवाह बताया

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कांग्रेस और टीएमसी के विलय की खबरों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह बेबुनियाद अफवाह है। वेणुगोपाल बोले- ममता और अभिषेक ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी से मुलाकात की थी।

केरलम में निपाह वायरस लौटा, संक्रमित वेंटिलेटर पर

हॉस्पिटल स्टाफ क्वारंटीन, राज्य में इस साल पहला केस, 8 साल में छठी बार संक्रमण

तिरुवनंतपुरम। केरलम में इस साल निपाह वायरस का पहला केस मिला है। इसकी जानकारी गुरुवार को सामने आई। मरीज 43 साल का है और कोझिकोड का रहने वाला है। राज्य सरकार ने रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद पूरे प्रदेश में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। मरीज को हल्का बुखार आने पर प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। बाद में कोझिकोड मेडिकल कॉलेज भेजा गया। उसकी हालत गंभीर है और वह वेंटिलेटर पर है। स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन ने कहा, मरीज कई लोगों के संपर्क में आया था। अस्पताल के स्टाफ और उसके संपर्क में आए संभावित लोगों को क्वारंटीन रहने को कहा गया है। फिलहाल घबराने की जरूरत नहीं है। 2018 के बाद से केरलम में छठी बार संक्रमण फैला है। आखिरी बार दो साल पहले 2024 में दो केस मिले थे। इनमें एक मरीज की जान चली गई थी।

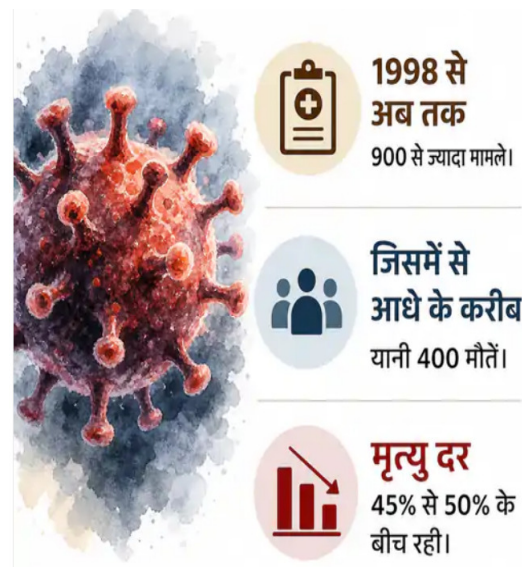

मरीज निपाह वायरस की चपेट में कैसे आया

अधिकारियों के मुताबिक, मरीज ने हाल ही में एक गोदाम किराए पर लिया था और खुद उसकी सफाई की थी। आशंका है कि इसी दौरान वह संक्रमण की चपेट में आया। निपाह वायरस मुख्य रूप से फ्रूट बैट (फल खाने वाले चमगादड़ों) से फैलता है।

1998 में मलेशिया में निपाह का पहला केस सामने आया

1998-99 में पहली बार मलेशिया के सुंगाई निपाह गांव में इस वायरस की पहचान हुई। इसी गांव के नाम पर इसका नाम निपाह वायरस रखा गया। यह वायरस चमगादड़ से फैला था। चमगादड़ों से वायरस सूअरों तक पहुंचा। सूअरों के फार्म में काम करने वाले लोग संक्रमित हुए।

मलेशिया में 100 लोगों की मौत हुई

मलेशिया में लगभग 265 लोग संक्रमित हुए हुए थे। 100 से अधिक लोगों की मौत हुई। संक्रमण रोकने के लिए सरकार को 10 लाख से ज्यादा सूअरों को मारना पड़ा। इससे मलेशिया के पोर्क इंडस्ट्री को भारी आर्थिक नुकसान हुआ।

मलेशिया के बाद निपाह वायरस 6 देशों में फैला

मलेशिया के बाद यह वायरस बांग्लादेश, भारत, सिंगापुर, फिलीपींस में फैला। कंबोडिया और थाईलैंड में भी वायरस के कुछ केस मिले थे। हालांकि, यह ज्यादा नहीं फैल पाया।

भारत में 2001 में पहला निपाह केस सामने आया

भारत में 2001 में पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में पहली बार निपाह फैला था। तब 66 मामले सामने आए थे जिसमें 45 मौतें हो गईं थीं। इसके बाद 2007 में बंगाल के नादिया में पांच केस सामने आए, सभी की मौत हो गई। 2018 मे केरलम में निपाह ने एंट्री ली। राज्य में 8 सालों में छह बार निपाह के केस सामने आ चुके हैं।

पहली बार तीन देश होस्ट करेंगे फिफा वर्ल्ड कप

अमेरिका-कनाडा-मेक्सिको में 48 टीमों के बीच 104 मैच, नॉकआउट में 32 टीमें जाएंगी; जानिए सबकुछ

नई दिल्ली। 23वां फीफा मेंस वर्ल्ड कप 11 जून से 20 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में खेला जाएगा। 96 साल के इतिहास में पहली बार तीन देश वर्ल्ड कप की मेजबानी कर रहे हैं। ओपनिंग मैच 11 जून की रात 12.30 बजे को मेक्सिको सिटी में खेला जाएगा। इसमें मेक्सिको और साउथ अफ्रीका आमने-सामने होंगे। 16 शहरों में 48 टीमों के बीच 104 मैच खेले जाएंगे। इन टीमों को 12 ग्रुप्स में बांटा गया है। हर ग्रुप में चार टीमें हैं। 16 की जगह 32 टीमें नॉकआउट स्टेज में पहुंचेंगी। लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो सहित दुनिया के 1,248 फुटबॉलर्स वर्ल्ड कप में हिस्सा लेंगे।

मेक्सिको तीसरी बार मेजबान

2002 में जापान और कोरिया ने पहली बार मिलकर फीफा वर्ल्ड कप होस्ट किया था। अब 3 देश अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको हैं। मेक्सिको पहला ऐसा देश है, जिसे तीन बार (1970, 1986 और 2026) मेंस वर्ल्ड कप की मेजबानी का मौका मिला। पहली बार 48 टीमें खेलेंगी। 1998 से अब तक केवल 32 देश इसमें हिस्सा लेते थे। 16 शहरों में 104 मैच होंगे (पहले 64 होते थे)। फाइनल में पहली बार हाफटाइम शो भी रखा जाएगा।

16 की जगह 32 टीमें नॉकआउट खेलेंगी

48 टीमों को 12 ग्रुप में बांटा गया है और हर ग्रुप में 4-4 टीमें हैं। ग्रुप स्टेज में हर टीम तीन मैच खेलेगी। हर ग्रुप की टॉप-2 टीमें सीधे नॉकआउट दौर में पहुंचेंगी यानी 24 टीमें। हर ग्रुप में तीसरे स्थान पर रहने वाली 12 टीमों में बेस्ट 8 को भी अगले दौर में जगह मिलेगी। इस तरह 32 टीमें नॉकआउट में एंट्री करेंगी। नॉकआउट में 32 टीमों के मैच के बाद 16 टीमें बचेंगी, इनके मुकाबले के बाद 8 टीमें क्वार्टर फाइनल खेलेंगी। इसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल खेले जाएंगे। इस नए फॉर्मेट के तहत टूर्नामेंट में कुल 104 मैच खेले जाएंगे, जो इसे **FIFA** इतिहास का सबसे बड़ा वर्ल्ड कप बनाता है।

कर्ज के बोझ से परेशान डिलीवरी एग्जीक्यूटिव ने 13वीं मंजिल से कूदकर दी जान

वलसाड। गुजरात के वलसाड जिले में डोमिनोज पिज्जा के एक डिलीवरी एग्जीक्यूटिव ने कथित तौर पर 13वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। यह दर्दनाक घटना रविवार को न्यू गुजरात हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित दमन गंगा बिल्डिंग में हुई। मृतक की पहचान मानव के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मानव लंबे समय से आर्थिक तंगी और बढ़ते कर्ज के दबाव से जूझ रहा था। सूत्रों ने बताया कि भारी कर्ज और वित्तीय परेशानियों ने उसे यह कठोर कदम उठाने पर मजबूर कर दिया हो सकता है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद वलसाड सिटी पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस के मुताबिक, मानव अपने पीछे मां और बहन को छोड़ गया है। अधिकारियों ने परिवार के सदस्यों और उसके परिचितों के बयान दर्ज करने शुरू कर दिए हैं ताकि घटना के पीछे की वास्तविक वजह का पता लगाया जा सके। फिलहाल पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

अहमदाबाद मेट्रो फेज 2ए को कैबिनेट की हरी झंडी, कनेक्टिविटी में होगा सुधार

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को अहमदाबाद मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के फेज 2(ए) को मंजूरी दे दी है। यह 6.032 किलोमीटर का विस्तार शहर के मुख्य रिहायशी और कमर्शियल इलाकों के बीच कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए है। यह फैसला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में लिया गया। यह प्रोजेक्ट मौजूदा अहमदाबाद-गांधीनगर मेट्रो कारिडोर के साथ आसानी से जुड़ जाएगा। वर्ल्ड पुलिस गेम्स 2029 और कामनवेल्थ गेम्स 2030 से पहले आस-पास के इलाकों में स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर भी विकसित किए जाने की संभावना है। फेज 2(ए) में चार एलिवेटेड स्टेशन और एक अंडरग्राउंड स्टेशन होगा। नया फेज शुरू होने के बाद अहमदाबाद-गांधीनगर मेट्रो नेटवर्क बढ़कर 77.63 किलोमीटर का हो जाएगा। कंस्ट्रक्शन के दौरान लगने वाले ब्याज को मिलाकर इस पूरे प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 2,169.04 करोड़ रुपये है।

20 करोड़ के चमत्कारी सुलेमानी पत्थर के नाम पर ठगी, लाइव डेमो वीडियों में दिखाया था 'चमत्कार

वडोदरा। वडोदरा में कपूराई पुलिस ने एक बड़े ठगी गैंग का भंडाफोड़ किया है, जो सुलेमानी काला पत्थर के नाम पर लोगों को करोड़ों रुपये की ठगी का शिकार बनाता था. पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि गिरोह के अन्य संभावित संबंधों की जांच जारी है. जानकारी के अनुसार, यह गिरोह दावा करता था कि उनके पास एक ऐसा चमत्कारी पत्थर है जिसे पास रखने से किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होता. यहां तक कि चाकू और ब्लेड जैसी तेज चीजें भी शरीर को नुकसान नहीं पहुंचा सकतीं. इसी झांसे में लोगों को फंसाकर यह गिरोह मोटी रकम वसूलने की कोशिश करता था। इस मामले की शुरुआत तब हुई जब वडोदरा के कलादर्शन चार रास्ता इलाके में रहने वाले ज्योतिषी योगेशभाई पंड्या को उनके ड्राइवर मनोज के जरिए भावनगर के रहने वाले विजयसिंह गोहिल के बारे में जानकारी मिली. विजयसिंह ने दावा किया कि उसके पास एक ऐसा सुलेमानी पत्थर है जिसकी कीमत 20 करोड़ रुपये है और जिसे रखने से कोई भी हथियार शरीर को नुकसान नहीं पहुंचा सकता। लोगों का विश्वास जीतने के लिए आरोपियों ने एक एडिट किया हुआ फर्जी वीडियो भी भेजा, जिसमें एक व्यक्ति के हाथ पर ब्लेड से वार करने के बाद भी खून नहीं निकलता दिखाया गया था।

14 उम्मीदवार निर्विरोध राज्यसभा चुनाव जीते: भाजपा से 10, कांग्रेस से 4 चुने गए

जीतने वालों में मल्लिकार्जुन खड़गे और पवन खेड़ा शामिल

नई दिल्ली। 14 उम्मीदवार गुरुवार को निर्विरोध राज्यसभा चुनाव जीत गए। इनके सामने कोई और कैंडिडेट खड़ा नहीं था। इनमें 10 भाजपा और 4 कांग्रेस से हैं। चुनाव जीतने वालों में कर्नाटक से कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और मीडिया व प्रचार प्रमुख पवन खेड़ा का नाम शामिल है। वहीं, राजस्थान से भाजपा के सतीश पूनिया, अलका गुर्जर और कांग्रेस के नीरज डांगी निर्विरोध राज्यसभा के लिए चुने गए हैं। इसके अलावा गुजरात से भाजपा के सभी चार राज्यसभा उम्मीदवारों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया है। वहीं, मध्य प्रदेश से भाजपा के रजनीश अग्रवाल, तरुण चुघ और महेश केवट की जीत हुई है। हालांकि, इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के खिलाफ पार्टी की याचिका पर सुनवाई शुक्रवार तक के लिए टाल दी थी। दरअसल, तीसरी सीट के लिए कांग्रेस ने मीनाक्षी नटराजन को उम्मीदवार बनाया था। कांग्रेस के पास संख्या बल भी था, लेकिन 9 जून को नटराजन का नामांकन फॉर्म निरस्त कर दिया गया था।

12 सीटों पर 18 जून को वोटिंग

अंध्रप्रदेश की 4, झारखंड की 2 और मणिपुर, मेघालय, अरुणाचल, मिजोरम, महाराष्ट्र, और तमिलनाडु की एक सीट पर 18 जून को वोटिंग होगी। यहां कांग्रेस को एक, भाजपा को 8, JMM को दो और TVK को एक सीट पर जीत मिल सकती है।

244 सदस्यों वाली राज्यसभा में एनडीए के पास अभी 149 सांसद

244 सदस्यों वाली राज्यसभा में एनडीए के पास अभी 149 सांसद हैं, जबकि विपक्ष के पास 78 और गैर-गठबंधन वाले क्षेत्रीय दलों के पास 17 सांसद हैं।

महाराष्ट्र और तमिलनाडु में उपचुनाव, एनडीए की एक सीट कम होगी: महाराष्ट्र में एनसीपी की सुनेत्रा पवार और तमिलनाडु में AIADMK के सीवी षणमुगम के इस्तीफे से खाली हुई सीटों पर उपचुनाव होंगे। महाराष्ट्र की सीट एनडीए के खाते में आ सकती है। वहीं तमिलनाडु की AIADMK की सीट सत्ताधारी पार्टी TVK को मिल सकती है। TVK को कांग्रेस का समर्थन है।

ऐसे होता है राज्यसभा चुनाव

राज्यसभा सांसदों के लिए चुनाव की प्रक्रिया दूसरे चुनावों से काफी अलग है। राज्यसभा के सदस्य अप्रत्यक्ष रूप से चुने जाते हैं यानी जनता नहीं बल्कि विधायक इन्हें चुनते हैं। चुनाव हर दो साल में होते हैं, क्योंकि राज्यसभा एक स्थायी सदन है और इसके एक-तिहाई सदस्य हर दो साल में रिटायर होते हैं। राज्यसभा सीटों की कुल संख्या 245 हैं। इनमें से 233 सीटों पर अप्रत्यक्ष रूप से चुनाव होते हैं और 12 सदस्यों को राष्ट्रपति मनोनीत करते हैं। राज्यसभा चुनाव में जीत के लिए कितने वोटों की जरूरत होती है, ये पहले से ही तय होता है। वोटों की संख्या का कैलकुलेशन कुल विधायकों की संख्या और राज्यसभा सीटों की संख्या के आधार पर होता है। इसमें एक विधायक की वोट की वैल्यू 100 होती है।

आंध्र प्रदेश में 4 सीटें, चारों NDA को: आंध्र प्रदेश में तीन सीटें YSRCP के पास हैं, एक TDP के पास है। अब NDA चारों सीटें जीत सकती है।

गुजरात में 4 सीटें, चारों NDA को: गुजरात में तीन BJP और एक कांग्रेस के पास है। चुनाव में भाजपा चारों सीटें जीती हैं।

झारखंड में 2 सीटें, दोनों INDIA को: झारखंड में दो सीटें हैं। एक सीटें भाजपा के पास है। एक खाली है। दोनों सीटें JMM-कांग्रेस गठबंधन को मिल सकती हैं। लेकिन BJP के पास 21 विधायक हैं। चार विपक्षी सदस्यों की क्रॉस वोटिंग अगर हो गई तो वह एक सीट जीत सकती है। राजस्थान में 3 सीटें, दो BJP, एक कांग्रेस को- राजस्थान में भी तीन सीटें हैं। जिसमें से दो भाजपा और एक कांग्रेस के पास है। यहां कोई बदलाव नहीं होगा।

कर्नाटक में 4 सीटें, कांग्रेस को तीन, NDA को एक: कर्नाटक में अभी एनडीए के पास तीन, कांग्रेस के पास एक सीट हैं। चुनाव में कांग्रेस तीन सीटें जीत गई है। वहीं एनडीए एक सीट मिली है।

मणिपुर-अरुणाचल में भाजपा के खाते में दो सीटें: मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश में एक-एक सीट खाली हो रही हैं। दोनों भाजपा के पास हैं, पार्टी फिर इन्हें हासिल कर सकती है। मिजोरम में अभी मिजो नेशनल फ्रंट के पास एक सीट है, जो जोरम पीपल्स मूवमेंट जीत सकती है। मेघालय में नेशनल पीपुल्स पार्टी अपनी सीट बचाने में कामयाब हो सकती है। यह एनडीए के साथ गठबंधन में है।

महाराष्ट्र की 7 सीटों के उदाहरण से फॉर्मूला समझते हैं

राज्यसभा चुनाव में किसी भी उम्मीदवार को जीतने के लिए एक निश्चित संख्या में मतों की आवश्यकता होती है, जिसे जीतने का कोटा कहा जाता है। महाराष्ट्र विधानसभा में कुल 288 विधायक हैं। खाली हो रही सीटें 7 हैं। कुल विधायकों की संख्या × 100/(राज्यसभा की सीटें+1) = +1 288×100/(7+1)= +1 28800/8= +1 3600= +1 3601 चूंकि एक विधायक के वोट की वैल्यू 100 होती है। इसलिए महाराष्ट्र में अभी एक राज्यसभा सीट पर जीत के लिए कम से कम 36 विधायकों की जरूरत होगी।

सुप्रीम कोर्ट बोला- महिलाओं को होममेकर नहीं नेशन बिल्डर कहें

वे परिवार की नींव मजबूत करती हैं, उनके काम की कीमत हर महीने 30 हजार जितनी

नई दिल्ली। देशभर में सड़क हादसों में जान गंवाने वाली गृहिणियों के परिवारों को मिलने वाले मुआवजे को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि घर संभालने वाली महिलाओं को राष्ट्र निर्माता (नेशन बिल्डर) का दर्जा मिलना चाहिए। उनके काम की तुलना किसी पेशेवर से करके उनके योगदान को कम नहीं आंका जा सकता। जस्टिस संजय करोल और न्यायाधीश एन कोटिस्वर सिंह की बेंच ने कहा कि किसी हादसे में गृहिणियों की मौत होने पर, उनके द्वारा की जाने वाली परिवार की देखभाल और घरेलू काम की कीमत कम से कम 30 हजार रुपए प्रति महीना (3.6 लाख रुपए सालाना) मानी जाएगी। यह रकम प्रणय सेठी मामले में तय अन्य सभी मुआवजा नियमों के अलावा होगी। अब समझिए अब तक क्या थे नियम सड़क हादसों के मामलों में अब तक देश की अदालतें और एक्सीडेंट ट्रिब्यूनल किसी हादसे में जान गंवाने वाली गृहिणियों का मुआवजा तय करने के लिए एक काल्पनिक आय मानती थीं। इसके लिए राज्य के न्यूनतम वेतन को आधार बनाया जाता था, जो कि बहुत कम होता था।

सुप्रीम कोर्ट की 5 बातें, कहा- दावों पर फैसले एक साल में हों

'एक गृहिणी का काम केवल खाना बनाना, बच्चों की देखभाल और घर संभालना नहीं है। वह परिवार की नींव को मजबूत बनाती है, अगली पीढ़ी तैयार करती है। जब किसी दुर्घटना के कारण गृहिणी की मौत हो जाती है, तब उसका मुआवजा तय करते उसके योगदान का आकलन जरूरी है।

'गृहिणियों की आय का आकलन करते समय उनकी उम्र, एजुकेशन, स्किल, पारवारिक जिम्मेदारियां और आर्थिक हालात को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए।' यदि किसी सड़क दुर्घटना में गृहिणी घायल हो जाती है या उसकी मौत हो जाती है, तो परिवार को केवल उसकी आय न होने के आधार पर कम मुआवजा नहीं दिया जा सकता। मुआवजा न तो किसी के लिए अचानक छप्परफाड़ लॉटरी जैसा होना चाहिए और न ही इतनी कम रकम होनी चाहिए कि पीड़ित का मजाक बने। सड़क दुर्घटना के दावों का निपटारा आमतौर पर एक साल के भीतर हो जाना चाहिए। अगर पीड़ितों को दशकों तक इंतजार करना पड़े, तो कानून का मकसद ही खत्म हो जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने देश के सभी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों से अपील की है कि वे खुद ऐसे मामलों की निगरानी करें और निर्देश जारी कर तय समय में मामलों का निपटारा सुनिश्चित कराएं।

2001 में पंजाब की महिला की हादसे में मौत पर आया फैसला सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला पंजाब में एक मोटर एक्सीडेंट दावे पर आया। नवंबर 2001 में रेशमा नाम की एक महिला की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। उसके पति और 3 बच्चों ने मुआवजे के लिए मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल का दरवाजा खटखटाया था। ट्रिब्यूनल ने 2003 में मुआवजा दिया, लेकिन यह मामला सालों तक उलझा रहा। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने दिसंबर 2024 में 8 लाख रुपए से ज्यादा का मुआवजा देने का आदेश दिया था। इसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। कोर्ट ने दुर्घटना के दो दशक से भी फैसला ना आने पर आपत्ति जताई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मोटर एक्सीडेंट मुआवजे के दावे पर आम तौर पर एक साल के अंदर फैसला आ जाना चाहिए।

बेंच ने जिस प्रणय सेठी के केस का जिक्र किया, उसके बारे में जानिए

प्रणय सेठी मामला मोटर दुर्घटना मुआवजा कानून का एक बेहद महत्वपूर्ण फैसला है, जिसे सुप्रीम कोर्ट की कॉन्स्टिट्यूशनल बेंच ने 2017 में दिया था। मामला यह था कि सड़क दुर्घटनाओं में मौत होने पर मुआवजा तय करते समय अलग-अलग अदालतें अलग-अलग तरीके अपना रही थीं। इस वजह से एक जैसे हालात में भी मुआवजे की राशि में बड़ा अंतर आ जाता था। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के बाद यह सिद्धांत तय किया था कि सड़क दुर्घटना में मौत होने पर मुआवजा तय करते समय मरने वाले की वर्तमान आय ही नहीं, बल्कि भविष्य में आय बढ़ने की संभावना को भी शामिल किया जाएगा। अदालत ने यह भी कहा कि अंतिम संस्कार, संपत्ति की हानि और जीवनसाथी के साथ संबंधों की हानि जैसी मदों के लिए एक समान और तय मानक अपनाए जाएं, ताकि देशभर में मुआवजा देने का तरीका एक जैसा और न्यायसंगत रहे, ताकि एक जैसे हालात होने पर अलग-अलग अदालतें, अलग-अलग मुआवजा न दें।

पुणे में कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन शुरू: शिक्षा घोषणापत्र जारी करेगी, अभिजीत बोले- मोदी के साथ मेरी तस्वीर एआई जनरेटेड

पुणे। कॉकरोच जनता पार्टी शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर पुणे में प्रदर्शन कर रही है। सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी कैंपस में सैकड़ों छात्र और समर्थक पोस्टर-बैनर लेकर जुटे हैं। प्रदर्शन में सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके और जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी पहुंचे हैं। पार्टी थोड़ी देर में शिक्षा घोषणापत्र जारी करेगी। इसमें पेपर लीक रोकने, समय पर रिजल्ट घोषित करने, भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं में पारदर्शिता बढ़ाने और परीक्षा एजेंसियों की जवाबदेही तय करने जैसे मुद्दे होंगे। इससे पहले, पुणे में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दीपके ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी वायरल तस्वीर को AI जनरेटेड बताया। उन्होंने कहा, मैं प्रधानमंत्री से कैसे मिल सकता हूं? मैं अमेरिका में सिर्फ एक स्टूडेंट था। सभी जानते हैं कि प्रधानमंत्री से मिलने की प्रक्रिया कितनी सख्त होती है। दीपके का यह बयान शिवसेना नेता संजय राउत के उस दावे के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि दीपके भारत आने से पहले अमेरिका में प्रधानमंत्री मोदी से मिले थे। राउत ने दावा किया था कि उन्हें दोनों की एक तस्वीर भेजी गई है।

पुणे के बाद जयपुर-लखनऊ और अन्य शहरों में प्रदर्शन

दीपके ने 11 जून से देश भर में प्रदर्शन का ऐलान किया है। पुणे से इसकी शुरुआत हुई है। पुणे के बाद CJP का प्रदर्शन जयपुर, लखनऊ, अमृतसर और बेंगलुरु समेत कई शहरों तक जाएगा। इसके बाद 20 जून को प्रदर्शनकारी दिल्ली के जंतर-मंतर पहुंचेंगे। 6 जून को पार्टी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर अपना पहला प्रदर्शन किया था। 5 घंटे चले प्रदर्शन में हजारों लोगों की भीड़ जुटी थी। कॉकरोच जनता पार्टी की शुरुआत चीफ जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बाद हुई। 15 मई को एक मामले की सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा था कि कुछ बेरोजगार युवा कॉकरोच की तरह होते हैं, जो बाद में मीडिया, सोशल मीडिया या RTI एक्टिविस्ट बनकर सिस्टम पर हमला करते हैं। इस टिप्पणी के अगले दिन, 16 मई को अमेरिका में रह रहे अभिजीत दीपके ने CJP की शुरुआत की और सोशल मीडिया पर पार्टी के अकाउंट बनाए। इसके बाद 22 मई को उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर एक ऑनलाइन याचिका शुरू की, जिसे 8 लाख से अधिक लोगों का समर्थन मिलने का दावा किया गया। CJP बनने के महज 26 दिनों में इंस्टाग्राम पर उसके फॉलोअर्स 2.27 करोड़ तक पहुंच गए हैं। यह संख्या भाजपा के 94 लाख और कांग्रेस के 1.37 करोड़ फॉलोअर्स से ज्यादा है। एक्स पर CJP के 2.75 लाख फॉलोअर्स हैं।

नई जिंदगी आने से पहले बुझा दिया जीवन: पति और प्रेमिका ने मिलकर गर्भवती पत्नी को उतारा मौत के घाट

फागी। माधोराजपुरा थाना क्षेत्र के दौसरा गांव में गर्भवती विवाहिता सम्पत देवी की हत्या के सनसनीखेज मामले का जयपुर ग्रामीण पुलिस ने महज चार घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस जांच में सामने आया कि विवाहिता की हत्या किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि उसके पति और उसकी प्रेमिका ने मिलकर की थी। प्रेम संबंधों में बाधा बन रही पत्नी को रास्ते से हटाने के लिए दोनों ने सुनियोजित साजिश रची और उसे मौत के घाट उतार दिया। मामले के खुलासे के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण हनुमान प्रसाद ने बताया कि दौसरा गांव निवासी सम्पत देवी की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू शिवलाल बैरवा एवं वृत्ताधिकारी फागी अनिल कुमार डोरिया के निर्देशन तथा थानाधिकारी रणधीर सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस ने मृतका के परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ के साथ-साथ तकनीकी साक्ष्यों का भी गहन विश्लेषण किया। जांच के दौरान पुलिस को मृतका के पति शंकरलाल गुर्जर और पड़ोस में रहने वाली भावना जाट की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो पूरे हत्याकांड का खुलासा हो गया। पूछताछ में सामने आया कि शंकरलाल और भावना के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध थे। दोनों एक-दूसरे के साथ जीवन बिताना चाहते थे, लेकिन शंकरलाल की पत्नी सम्पत देवी उनके संबंधों में बाधा बन रही थी। इसी कारण दोनों ने मिलकर उसे रास्ते से हटाने की योजना बनाई। पुलिस के अनुसार घटना वाले दिन भावना जाट ने सम्पत देवी को चाय पीने के बहाने अपने घर बुलाया। वहां पहले उसे पानी में नशीली गोली मिलाकर पिला दी गई, जिससे वह बेहोश हो गई। इसके बाद आरोपी महिला ने अपने प्रेमी शंकरलाल के साथ मिलकर कुल्हाड़ी के पिछले हिस्से से उसके सिर पर वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद दोनों ने शव को प्लास्टिक के तिरपाल और कट्टों में लपेटकर घर में ही छिपा दिया, ताकि किसी को घटना की जानकारी नहीं मिल सके। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि हत्या के बाद शव को छिपाने और मामले को दूसरी दिशा देने की कोशिश की गई, लेकिन पुलिस की सतर्कता और तकनीकी जांच के आगे आरोपियों की योजना ज्यादा देर तक नहीं टिक सकी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रदीप कुमार सोलंकी द्वारा महानगर मल्टीमीडिया प्रा. लि. जी-848, फेज 3, रीको सीतापुरा, जयपुर (राज.) से मुद्रित एवं 227-हीरालाल की गली, झालाना, मालवीय नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
सम्पादकः प्रदीप कुमार सोलंकी, मो. 93510-01100, Email: atulyasansar@gmail.com संपादकीय कार्यालयः जगतपुरा फ्लाईओवर के पास, जगतपुरा जयपुर।